‘नटखट साइंस लैब’

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भागलपुर ज़िले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में ‘नटखट साइंस लैब’खोले जाने की घोषणा की गई है।

प्रमुख बिंदु

- ‘नटखट साइंस लैब’के खुलने से छात्र-छात्राएँ अन्य प्रोजेक्ट, टीचिंग मैटेरियल, एक्जीबिशन के लिये मॉडल, ज़िला से राष्ट्रस्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता तक के लिये मॉडल बना सकेंगे।
- इसमें किसी भी स्कूल के छात्र अपने अनुसार मॉडल बना सकेंगे तथा इसके लिये उन्हें कोई शुल्क भी नहीं देना होगा।
- शिक्षा विभाग भागलपुर की पहल पर अमेरिका के एबाको फाउंडेशन और करुणोदय फाउंडेशन द्वारा संचालित नटखट साइंस लैब ज़िले के सिर्फ एक स्कूल प्राथमिक विद्यालय मोक्षदा में खोली गई है।
- जनवरी तक भागलपुर ज़िले में दस लैब खोली जाएंगी। इसकी सफलता पर 300 अन्य केंद्र दो साल में खोलने की योजना है।
- लैब के प्रोजेक्ट हेड शेखर सुमन ने बताया कि लैब में सात शिक्षक को मास्टर ट्रेनर बनाया जा रहा है तथा इनके द्वारा अन्य स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।
- इस लैब में कक्षा छह से 10वीं के छात्रों के लिये हर तरह के मॉडल बनाने की सुविधा है, जिसमें बेकार सामान से साइंस के मॉडल बनाने की समझ, रद्दी पेपर से क्राफ्ट बनाने की समझ, मिट्टी से नए-नए खिलौने बनाने की समझ को विकसित किया जाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/natkhat-science-lab